



गणेश



मैरुग



महेश्वर



सिद्धा

五

मयूकः संज्ञाना

卷之四

[illegible]

दिनं जायत यूपय ॥ कूपय केन वव क्व वस्वस्य वा निव ॥ धरुया इत ॥ शुक्र
वत् ॥ वाक् ॥ इत ॥ भावस्य दिसं पूठवैव ॥ नागमाठस्या ॥ मिखास ॥ ग
लसः ॥ वाहीन ॥ कस्याकः ॥ व्यागस्याक ॥ उतिसस्याक ॥ कनव ॥ कडक
नमरुव ॥ वाययव ॥ वददवडाइ ॥ अहवयाइ ॥ नायगावियव ॥ पू
काखइंगयाइ ॥ सुवल्क वमुइविकइ ॥ मथवाहनन ॥ मानेहून
वषाइ ॥ वूयाइरेव वनीवरि ॥ १० ॥ १० ॥ याज ॥ ० ॥ नागकूकवकविसे

[illegible]

वृत्तिकर्मज ममरु ॥ लवेदविजदिसना ॥ यना ॥ मरुलमरु ॥
 अथ मया नाय ॥ १२ यथा मया लुन वलि ॥ माहाका नवति ॥ ब्रगासी वृका ॥
 जयेक ३ ॥ ६ इत ६ वाक् ३ नितु कने सस्यके ॥ ८ ॥ १२ ॥ वाक् ३
 जीवाखरुहिन ॥ कननाग ॥ कनना ॥ वृका ॥ नाग २ भास ॥ हलुनी ॥
 ना ॥ वृका ॥ इतनकन ॥ माया ॥ कनना ॥ वृका ॥ वृका ॥ इतनक



१३॥ वृका ॥ १३॥ वृका ॥ १३॥ वृका ॥ १३॥ वृका ॥

सिंह

जन्माणि यवार्जमासगण्य ॥ स्यहव वृद्ध स्युतास ॥ नानाहागवि नासका ॥
नजनाहसिहकशक्ति सरववकार्य ॥ वलास धाके ॥ दिसदक्रिन नाग ॥ वाक
विमलोभा ॥ वक्राभासगुल ॥ गनहससुता ॥ गननरुलोभा ॥ कुरुवथा
लासपूढवन ॥ खेही ॥ डाही ॥ कोयनवसुइविक ॥ यदसनयहानव
व ॥ कायुक्रदवग ॥ हिमगानसखाद गयाइ ॥ वृधसंदेवसंजायगत

माहाकावलि ॥ सिसपूढवन ॥ कामाविपूजा ॥ वृथिका ॥ ८ ॥ १० ॥
१३ ॥ हाकिजिज्जातिद्वसहित ॥ नागपूज ॥ विखकुरुधनउजदिम ॥ वृ
वाने ॥ ॥ यतासध ॥ वोकिवसु ॥ वात्रेसपूढवन ॥ मास ॥ सनाव
न ॥ शुरुवनिखा ॥ निधि ॥ पकडिसि ॥ मिट्या ॥ वास ॥ निवन ॥ निरसा ॥
सिद्ध्याइगनकन ॥



हनुमन् ॥



जगदिकिलि ॥



१ यगुरिकिलि ॥ कर्कश ॥



कुमागालि ॥

स्थान

१ दहदिशि प्रसूतमाना योहानिः प्रविष्टा यः त्रिगणक नरु रुरु रुरु साकाविधानः ॥ द्विचरुमा
 त्रियागारुयसः ॥ स्नानकरी त्रिगणः ॥ यः दहदिशासः ॥ यत्राभूयनाई ॥ त्रिभुवनं य
 नकचित् कुरु नंय कुरुकेलुमुल ॥ कुरुमुनः ॥ जगदिकिलि ॥ यः दहदिशासः ॥ त्रिभुवनं य
 विस्मययादः ॥ सुसयत्रारिखात्र ॥ यः दहदिशासः ॥ त्रिभुवनं य
 ववः ॥ भूमानयादः ॥ यः दहदिशासः ॥ त्रिभुवनं य
 धनस्येदया ॥ यः दहदिशासः ॥ त्रिभुवनं य

॥ नैल ग्यासि दुपिक ॥ १४ ॥ १३ ॥ इने ॥ कृष्ण रत्न ॥ दालिमहि ॥ हिमि धनदा ॥
 हिम ॥ नकु पवान नने पायू ॥ नमन वरु ॥ लुनिनिस बूड ॥ नोति दोन वाक
 वान ० नाय पुस वाथ ॥ कालीन स ॥ यक्रम धावसा ॥ खानयाइ ॥

पर्व ॥



॥ गुरु ॥

उद्योग ॥

॥ १५ ॥ गुरु ॥

॥ कनक ॥

कृष्ण

[illegible]

खान ॥ वृत्तान ॥ ॥ नागद्विपूजहाय ॥ अतिमध्यातस्य वया ॥ ॐ ॐ
यिनसा ॥ वृत्त ॥ योद्धा ॥



वन
 ४ तादाविवाह बह्वर्चन... मिश्रपिबालि कार्यना स... मन्त्रि... ३३ ० खलिक
 न ह... विद्याग... युद... सत... याधि... दिवस... यनादिन...
 हन भक... वा... युम... द... स... खलि... नि... सी...
 हुन... ग्राम... धनव... दिव... वल... यासि... सि...
 नया... ला... तादावि... वादन... वा... नका...
 मवा... युतवदि... युयथायु... द... पना...

प्रपिकसनिप ३ ॥ ३ ॥ इत् ॥ ६ ॥ वान ॥ इति ॥ कुसम ॥ मा
 लामा ॥ धनदक्रिन ॥ पूर्वधामन ॥ धनिक ॥ नाम ॥ पूजा ॥ गय ॥ नर ॥ वरु ॥ मरु ॥
 वनि ॥ वायु ॥ दिस ॥ दद्या ॥ न ॥ अशु ॥ विल्ल ॥ म ॥ पूजा ॥ वनि ॥ नक ॥ पूजा ॥ मास ॥ वे ॥ भाष ॥ ज ॥
 मिखा ॥ स ॥ जन ॥ सथि ॥ नेसा ॥ रवनया ॥ इगा ॥

१ यरु प्रियाणा ॥



१ मा ॥ का ॥ लांका ॥

१ क ॥ मा ॥ धि ॥ १ ॥ रु ॥ मि ॥ सि ॥

गङ्गा

धनु

क

१ लल्लाथरुन कि ^{धनु} नाडनात विशावनिपूजु मनायथरु मुखस्य मा
 हाणवहुनस विद्विनडनकनाती ॥ अकासिद्धि ॥ दिसडनाग ॥ सिनडुन
 करुपिक ॥ एकअवस ॥ मूडिजु ॥ साह विद्वकमरा ॥ गानकागडा ॥ गामन
 कुरुनाग ॥ ददयगानूडुन ॥ पूरवुनिस ॥ सिया ॥ वधसमादकया ॥ पूखुनि
 यादसयादना ॥ पूज ॥ खान ॥ पुदस नपोहानव व ॥ यानिसवनि सहि
 ग ॥ कपिकसनिपग ॥ १० इयपिक ॥ २० वान ॥ गमउथवना ॥ मर

सुनिगिर वखसहि ॥ यानियानसहि ॥ खानर्वन्ध पूखुसहि ॥ नागपूड ॥ खा
 हिष्ठाहिने पूडर खान ॥ सुनिनिस पूड ॥ शाक क्षानदाग ॥ वसानिपूडा
 नकपवानन ॥ मा सण्ण खार ॥ वूनमि ॥ नूगवस ॥ पद ॥ थिरसा ॥ गडया
 इरुनरुन ॥



धं क
मगायाथ हनिष्ठिकं रुगति नासं विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
पुदं सगमनं सरुपाहालनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
निष्ठिकं कलकनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
पुदं सगमनं सरुपाहालनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
निष्ठिकं कलकनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
पुदं सगमनं सरुपाहालनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
निष्ठिकं कलकनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय
पुदं सगमनं सरुपाहालनामिद्या विप्रहविमोगलकड्डवधनासिवाचारय

पूर्व उच निद्र कृत्वा सिद्धिं सुखं वा भवति ॥ अथ भवति वारुण ॥ अथ माय ॥
 यश्चैव कुरु नावपूजं रुद्रविरहिकास हि ॥ अथ रुद्रवर्मापूजा ॥ अथ निमिष
 पूजा ॥ माहाकानवपित्तक पूजा ॥ माहाकुरु ॥ निथिद प्रमावाप्ति वरुणाह मरु
 खनस वा न सधिरसा ॥ धा कया इम ॥





पियावक ॥ जदनवृमिधा तिन ३ पूजाविषयवा ॥ इम
 नन यकसास्यनथ ॥ सुडा १ कगा ४ खार्क ५ वि
 थिस ॥ भानसपडा ॥ ये श्रुववनडा ॥ पूजादिन
 ३ ॥ पूडा ५ खान सुकि ति ॥ ॥ नख को न पक
 ॥ खान ॥ ॥ कउयिव खययूव ॥ क्षाययव
 निखानि पादो सायू ॥ नमवाययू ॥ वाकस ॥ व्यायूव ॥ धम्यनकनर ॥ विव

२ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ययमादनमासखवा ॥ नानन्दार्थ ॥ ॥
 नगरवतिनकनी ॥ के पते नदि ॥ येव ॥ इनेनसरुवा ॥ अकृवागव कृवागव
 निगरुयसिसु ॥ नूदि ते सरुदरुकि ॥ ननवेन ॥ २ ॥ कि विसावानूयेन ॥ यी
 नोक्वाति ॥ साकिविधि ॥ ख ० ॥ नाथियावाकायाव ॥ कनूथ ॥ सगमपगाप ॥ ॥
 पवलिन ॥ खान २ ॥ वसुदुमस ॥ पूया ॥ वा ॥ वात ॥ डल्लाहा ॥ ०० का ॥ खका ॥
 विखुवि ॥ ॥ धन गावेन नवानव ॥ कूथन ॥ यूया खामस ॥ कुरुयाव ॥ गवि



१२ रावति कूजा ॥ कुजा ॥ केता ॥ इवाक ॥ विधिस ॥ यद ॥
 नरवका ॥ ॥ झा ॥ कन ॥ पा ॥ युव ॥ चान ॥ दिन ॥ मचा ॥ निव
 खस ॥ दनिव ॥ गम ॥ या ॥ युव ॥ थन ॥ व ॥ यिव ॥ ग्या ॥ युव ॥ थन
 कन ॥ ॥ ३ ॥ अ ॥ न ॥ म ॥ म ॥ न ॥ ॥ स ॥ न ॥ ॥ विय ॥ वा ॥ नि ॥ स
 नि ॥ हा ॥ न ॥ व ॥ थ ॥ न ॥ क ॥ क ॥ द ॥ न ॥ दान ॥ विय ॥ सा ॥ नि ॥ ग ॥ रा

१ द्विजिय दिने साख्य ॥ ॥ ३ ॥ न ॥ अ ॥ य ॥ ह ॥ ग ॥ द ॥ स ॥ ॥ १ ॥ न ॥ ग ॥ र ॥ व ॥ नि ॥ न ॥ क ॥ न ॥ ॥ य ॥ थ ॥ स ॥ र
 व ॥ नि ॥ क ॥ र ॥ ॥ म ॥ नि ॥ न ॥ ग ॥ म ॥ ॥ अ ॥ र ॥ ना ॥ य ॥ ल ॥ न ॥ य ॥ व ॥ ॥ वि ॥ क ॥ य ॥ य ॥ नि ॥ न ॥ वा ॥ न ॥ क ॥ ॥ उ ॥ र ॥ य
 रा ॥ वा ॥ र ॥ ति ॥ क ॥ नि ॥ ॥ न ॥ य ॥ व ॥ ग ॥ द ॥ नि ॥ ॥ न ॥ क ॥ स ॥ य ॥ ध ॥ न ॥ ॥ न ॥ ग ॥ ॥ ग ॥ स ॥ क ॥ न ॥ नि ॥ ॥ ॥
 सा ॥ नि ॥ वि ॥ ध ॥ ॥ य ॥ वा ॥ क ॥ य ॥ ह ॥ न ॥ या ॥ व ॥ ॥ ह ॥ न ॥ दि ॥ नि ॥ स ॥ ता ॥ क ॥ व ॥ नि ॥ या ॥ व ॥ ॥ अ ॥ न ॥ स ॥ क ॥ न ॥
 थ ॥ ॥ खा ॥ न ॥ ॥ १ ॥ क ॥ स ॥ स ॥ ॥ क ॥ स ॥ स ॥ ॥ रा ॥ य ॥ प ॥ ता ॥ य ॥ ॥ १ ॥ य ॥ य ॥ य ॥ न ॥ ॥ ध ॥ य ॥ ॥ म ॥ द
 वि ॥ य ॥ वि ॥ ॥ य ॥ य ॥ ॥ न ॥ रा ॥ य ॥ न ॥ ॥ थ ॥ पि ॥ ता ॥ क ॥ ॥ ध ॥ वि ॥ न ॥ वा ॥ या ॥ व ॥ क ॥ य ॥ न ॥ ॥ य ॥ न ॥ य ॥ न ॥ ॥



१ बुजान के गा ५ कमा वि विथि स ॥ यगा रान स करु थून ॥
 म्वा न न था य ॥ हा ग म य ना प रु क ॥ म्स्वान स गा थ ॥ व
 नि हा न दिन ५ क्क भा स ॥ पूठ ५ खान ॥ यु नि नि स ॥
 रु ग व ॥ स पू जा ॥ ॥ ना ना नू र्ण ग्म यू व ॥ हि ख नि
 व ॥ क न पी यू व ॥ हि कू व यि व ॥ नू र्ण द म्पा व ॥ रु न श
 क व यू व ॥ थ म न क न रू यू व ॥

१ वृ नि य दि न मा स्य व र्ण ॥ वृ ना ना ग ह गृ ह न स्य ॥ नृ न र व नि न क न ॥ क व न न रू दि
 न र व ॥ इ न न स म रू वा ॥ कू ना व रू र व ॥ द कि नि द्रा व क र ॥ ना स य ॥ क
 न र व ॥ गृ ह कि ॥ व्या द नू य न ला नी गा स क न ॥ नि ॥ सा नि वि थि ॥ र व ॥ ना थि
 मा या ना का या व ॥ अ न स क रू थ ॥ खान ५ ३ क स ॥ रु स स ॥ हा ग म य ना प
 क रू व वा न न ॥ वू व ॥ नू का ॥ य का ॥ गा रु ॥ वि रू नि ॥ हा ला म्वा न थ म कू थ डा
 व ॥ नू य ॥ हा ग म स क रू या व ॥ ना ग पि या न न ॥ म ध रू य व ना म ध ॥ वि य म
 न्धा न स ॥ द कि न थ न ॥ का व स ना थ ॥ सा की ॥ रु ज द न रू मि द्रा वि न ॥



१५
हनुमान्केता ६ खाफ्फ ७ पिथिस ॥ आनसहिहसिवा ॥ ६
मुनिसहिहसिवा ॥ नखवपिहायदिन ॥ कनयायव
प्रागव्यायव ॥ धनवयव ॥ खसुदनिव ॥ नानानुस्यग्या
यव ॥ उरुडननवयव ॥ खासवयव ॥ माखवयव ॥
कनमवयव ॥ धनवयव ॥ नखवयव ॥ वियवादि
स ॥ वधनकायस ॥ साकि ॥ हामुनसधकु ययय ॥

१ वपुथदिन माखवयव ॥ मुखमहिहकाय हनुमान्केता ॥ नखवयव नकन ॥
कनमवयव ॥ मुनिवन्धय निवायव ॥ लुदिनकवयव ॥ मद्रुमद्र
कखास ॥ कासुडनायव ॥ कुदिवाहय ॥ निखावयव ॥ ११ ग्मनूयनलागो
वासकनागि ॥ ॥ साकिविधि ॥ खरु नाथिगायायाकाव ॥ अमसकन
थ्य ॥ खानरुमकस ॥ हसत ॥ हामवकायकदुपयानन ॥ धूप ॥ प्रकाप्रका
साद ॥ विखवि ॥ धनवयव ॥ नूया हाम सकुदेयाव ॥ नागिपयाव ॥ १२ द

विद्यवाङ्मयं व धनं कारुण्यं ॥ दूदकास्य के दूद-दान विद्यया नि ॥

ASHA ARCHIVES

अ. ५५ कारुण्यं

1.643

ASHA ARCHIVES



तु का १ के ता ५ वि धि स ॥ खान २ थान स ॥ हन स न य का ॥
 धुनि नि स प र ५ खान २ व नी हा न दि न ३ क री क स ॥ ना क स
 र स म न य का ॥ ॥ स क म या ॥ कृ णा यि व ॥ न स न न यि
 व ॥ उ न द न हा त्रि क ॥ ग हा न नि य २ क या २ न य व ॥ थ न व
 य न ॥ ग्वा य व ॥ हि ख नि व ॥ कि न्द सा स न द य व ॥ वा उ सा
 स म र ॥ ध र न क न द य व ॥

र स क म दि न ॥ मा स्य ॥ व र ॥ ॥ स क र व नि गृ ह गृ ह न स्य ॥ न त र व नि व क र ॥ स र
 नि स र्व ग्वा नि ॥ आ व न का य न ॥ ग म र व व द क र ॥ उ र य ह नि मू र व न्ध य नि
 क र गृ क ति ॥ क य न्य नू दि न य द्दि व ॥ ना ति ता स र्ग ति ॥ दि वा सी म ति ॥ नि च
 न र व नि ॥ स ग नि का य न र ग ॥ स क र व नि नू य न ना म क ना ति ॥ सी नि वि धि
 ॥ ख ० ० गा थि ना या चा का या व ॥ अ न स क रू थ ॥ खान २ ज क स ॥ ह स स ॥
 रु ग य ना य ॥ र्ग ॥ व द ॥ भू य ॥ ना गी या स ॥ नू सि ॥ ति थ क्का स ॥ ज द न अ द स
 य का वि य वा द्दि स ॥ द कि न थ न दि न ३ क र द न द न वि य सा नि ॥



ॐ पि थिस ॥ उडा ॥ वे गा ६ खा क्री ॥ हनुर्मन पुडा ॥
 मन्त्र पूजन ययू ॥ नमामनयिक तमवाययूवा ॥ तिखाश्व
 रिनकेकनिवा ॥ त्रवर कद नि दिविद ॥ साहान इहावनवनस
 गव क्लान्त मच्छि निव ॥ ग्राहानन कथुमक ययूयनिव ॥ वा
 कि निवायिव ॥ नकनथूरु ॥

अलमैदिन साख वरवा ॥ डरक यरु ॥ न प्रगस्यतुगरुवजिनरुने ॥ डिक्कावावाय
 नि ॥ आहानवतकायय ॥ पकययंकि वरु निमिर्गमुखसले ॥ ज्ञायर्ग ॥ न्वमयानि
 यसे सानिरिक ॥ उरुया ॥ हलमकिवन्धयंकि ॥ हसि वू यनयाशो सुासयंकि ॥ ॥ सा
 निविधा ॥ दूवाकेयड ॥ रायाव वाककनियाद ॥ अरुस केरुथ ॥ खान २७ क
 र ॥ रुसस ॥ हाभा व काय गाय प्रयाजन ॥ धूव ॥ सिथक्कास ॥ वाग ॥ अयुन
 धननवाव ॥ कथुने ॥ दूया ॥ रादूरायाव रागि यियानय ॥ सखन ॥ ककि
 मवाकाय ॥ जादन ॥ दसन ॥ पूजावियवादि सदाकमथर्ग ॥ थूरुनसालि ॥



१६ नमो नमो ॥ लुका नमो ॥ ४ रवा श्री ॥ पिपिस ॥ लुमि
निस पूरु ॥ खान ॥ पूरु ॥ खान ॥ कनिकस ॥ ॥ सानध
यूव ॥ कनयायूव ॥ ध्याम ॥ ०० व ॥ ध्याम ॥ कयूव ॥ लान
ययूव ॥ कुनिका नानस नययू ॥ वदूना नययूव ॥ ध्याम ॥
कनयूव ॥

[illegible]

यथर्त्त॥ क० ॥ दानविया॥



१ पिथसा दनुविसा ॥ अ न स लि ठ सिवा ॥ ॥ मान धायव ॥ सा
 म न व थ यानि ॥ मिखा म निव ॥ न सा इ व न्य य व थ यानि व ॥ न
 स न म रु ० ० व ॥ न व गा व नि न खि हा यू व ॥ थ न व म् व
 वा ज्ज दि क हा यू व ॥ हि क व यू व ॥ वा न स्य यू व ॥

१ द स म् ॥ दी न सा स ॥ य र्थ ॥ य व नि य रु ॥ गृ क्त ग स्य ज न रु नि व के न ॥ यु नि जी न्ध
 ॥ नि स्या स ॥ य थ म रु व नि कि ने व ॥ व क्क ली म न व सी नि ॥ आ हा व के ० ० का मि
 ना ना व धु व डा य गे ॥ ला ला व स व गे मू खी ॥ म रु पु रि र व डा य गे ॥ न म रु व नि
 अ थ वा पु वा रि का न के न न गृ क्त नि ॥ क रू सु व नि ॥ वि क रू नू य न ला शी क्ता म क
 नी ति ॥ सी नि दि धि ॥ ख ० ० ना थि ना या वा का या व ॥ अ न स क्क रू थ ॥ हा म य गे य
 गे पु वा न न ॥ धू पा ॥ क्क स रू वा पा ॥ सा क ॥ वि ख नि ॥ य य क्क स ख न थ न क्क थ न
 न या रू ग म स क रु या व ॥ ना म पि म व गे ॥ ख म रू १ क्क स रू स स ॥ पू जा वि य

म
 न
 ध
 म
 न
 ध
 म
 न
 ध
 म



१ हनुमन्मयजा ॥ लुगिनि स पूज्य श्रवण ॥ विधिरुद्र
 शान्ति ॥ श्रवण ॥ विधिरुद्र ॥ कर्णकस पूज्य श्रवण ॥
 स गत नृथ स ल्पन स थ ॥ ॥ धर्म वागु स र्वा कर्षे न स
 न स्य ॥ ला य इ यि व ॥ श्रवण स ॥ ला य इ यि व ॥

सा नि ॥

रत्नका दस ॥ दिन ॥ मास ॥ वर्ष ॥ विवि वि वि वि का ॥ हनुमन्मयजा ॥
 गुरुथ गुरुद्वर्ग वा न क लो ग ॥ शो प नि य द्य र्ग ॥ ला क सि द्वा नू न ॥ का न भ व च ॥ पु थ म्प ह
 न्प किल ॥ वक्ष गुरुद्वर्ग वा ल क ॥ नृदि र्ग ॥ ला स क प र्ग य ॥ मरु मरु नि व ता क न
 नि ॥ तन व व गुरुद्वर्ग ॥ तन प्प्रा म नु ल कृ फि ॥ दू या न क म्प न का न य ॥ मरु द्वा न स्य
 न स स य ॥ वी श्व ना र्ग न म्प ॥ वि न नृ प्प न ना भो म्प्रा स क ना ति ॥ ॥ सी नि वि
 रि ॥ ला क प द्वा ॥ ला या व ॥ पो न न नृ थ ॥ ला ग म्प ना य कृ द्वा ॥ धू य ॥ जै न
 ला म न ॥ थ सि ॥ वा क ॥ क र न ॥ मा स ॥ धर्म स ल ग न ॥ कृ थ न ॥ ला द न व सि द्वा न

सा य द्वा क न रु स ॥ धर्म न

१ ला य इ



१८ नमो नमो पूजा ॥ विधिसु सुज्ञान कणा ॥ स्वास्ति ॥ या
 कस वरुन खान ॥ खान ज पनप कु या ॥ धनस ॥ सुनि
 निस पूजा खान ॥ सुख स्वस वनि हिन दिन ३ करैक
 स पूजा खान ॥

१६ दस ॥ दिन ॥ मास ॥ वर्ष ॥ सुकलु गृह गृह कलसी नु कलव नि न क न ॥
 पथ सहव कि जि न वा न न ॥ रा रा व स व न ॥ मुख ॥ डहा व न ॥ निर्गता नि
 समुद्र ग ॥ जघयी कि ॥ गृह गृह पादयी कि ॥ वन्धय नि व नि ॥ सुखयी कि ॥
 पिल वन्ध विजा य न ॥ सिंह यूथे न ॥ रा गी मास क नी कि ॥ सा नि वि धी ॥ स्व
 यि ता थि ता ॥ या वा का या व ॥ क नू थ ॥ रा गी मास क नी कि ॥ सा नि वि धी ॥ स्व
 व क स रु स स ॥ क न द व नू द य न ॥ वृष ॥ हे न धी न ॥ स न सि नि ॥ व न र्व या
 सु स खा या ॥ उ नू हा ॥ थ न वृ थ न ॥ नू या रा गी मास क नी कि ॥ सा नि वि धी ॥ स्व

॥ पदस ॥
 ॥ पदस ॥



विष्णुः वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥
अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥

उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥
कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव ततः समासुराः ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॥

॥ गङ्गा, सिन्धु, यमुना, गोदा, सरस्वती ॥
 ॥ अहिना, अहिना, अहिना, अहिना ॥
 ॥ अहिना, अहिना, अहिना, अहिना ॥
 ॥ अहिना, अहिना, अहिना, अहिना ॥
 ॥ अहिना, अहिना, अहिना, अहिना ॥

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Indic, located at the bottom of the left page. The text is arranged in three lines, separated by horizontal lines. The script is dark and appears to be a form of Devanagari or a related Indic script. The first line contains a long phrase, the second line contains a shorter phrase, and the third line contains a longer phrase. The text is written in a cursive style.

[illegible]